പ്രിയ രക്ഷിതാക്കളെ,

പഠനത്തിന്റെ ലോകത്തേക്ക് കുട്ടികളെ കൈപിടിച്ചെത്തിക്കുകയെന്നത് ഏറെ ശ്രമകരമായ കാര്യമാണ് . വിവേകപൂർണമായ സമീപനമായിരിക്കണം ഇക്കാര്യത്തിൽ മാതാപിതാക്കൾ കൈക്കൊള്ളണ്ടത് . കുട്ടികളുടെ മനസ്സറിഞ്ഞുള്ളതായിരിക്കണം ഈ സമീപനം . വ്യക്തികൾക്ക് മാത്രമല്ല ചുറ്റുപാടുകൾക്ക് കൂടി ഇതിൽ വലിയ പങ്കുണ്ട് .

കുഞ്ഞിന്റെ പഠനരീതിയെ തിരിച്ചറിയുക കുഞ്ഞുങ്ങളുടെ പഠനരീതിയെ മൂന്നായി തിരിക്കാമെന്നാണ് കണ്ടെത്തിയിട്ടുള്ളത് കേട്ട് പഠിക്കുന്നത് ( auditary ) , കണ്ട് പഠിക്കുന്നത് ( visual ) തൊട്ടറിഞ്ഞ് പഠിക്കുന്നത് ( kinesthetic ) എന്നിങ്ങനെ . മൂന്നുരീതിയിലും കാര്യങ്ങൾ മനസ്സിലാക്കാമെങ്കിലും ഇതിലേതെങ്കിലും ഒരു പ്രത്യേകരീതിയാകും കാര്യങ്ങൾ കൂടുതൽ എളുപ്പത്തിൽ മനസ്സിലാക്കുന്നതിന് ഓരോ കുഞ്ഞിനെയും സഹായിക്കുക . നിങ്ങളുടെ കുഞ്ഞ് ഏതുരീതിയാണ് അവലംബിക്കുന്നതെന്ന് തിരിച്ചറിയുക . കുട്ടിയെ പഠനകാര്യങ്ങളിൽ സഹായിക്കാൻ ഇത് നിങ്ങൾക്ക് പ്രയോജനകരമാകും . കുട്ടികൾക്ക് ഏത് പാഠ്യരീതിയാണ് അനുയോജ്യമെന്നു കണ്ടെത്താൻ നിരവധി മാർഗങ്ങളുണ്ട് . നിങ്ങളുടെ കുട്ടിക്ക് പഠനത്തിലുള്ള വാസന ഏതുവിധത്തിലുള്ളതാണെന്ന് മനസ്സിലാക്കുക . കേട്ടാണോ , കണ്ടാണോ അതോ സ്പർശനത്തിലൂടെയാണോ ഏതുരീതിയിലൂടെയാണ് കുട്ടികൾ കാര്യങ്ങൾ എളുപ്പത്തിൽ മനസ്സിലാക്കുന്നതെന്ന് തിരിച്ചറിയുക . ശേഷം ആ രീതിയിലേക്ക് കുട്ടികളുടെ പഠനക്രമത്തെ മാറ്റുക . ഹിന്ദി എളുപ്പമാക്കാവും കൂടുതൽ മാർക്ക് നേടാനും കുട്ടികൾക്ക് സാധിക്കട്ടെ എന്ന പ്രാർത്ഥനയോടെ.....

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

# ഹിന്ദി അക്ഷരമാല

## स्वर

अ അ आ ആ इ ഇ ई ഈ

उ ഉ ऊ ഊ ऋ ഋ ए എ ऐ ഐ

ओ ഓ औ ഔ अं അം अः അഃ

## व्यजन

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | ക | ख | ഖ | ग | ഗ | घ | ഘ | ङ | ങ |
| च | ച | छ | ഛ | ज | ജ | झ | ഝ | ञ | ഞ |
| ट | ട | ठ | ഠ | ड | ഡ | ढ | ഢ | ण | ണ |
| त | ത | थ | ഥ | द | ദ | ध | ധ | न | ന |
| प | പ | फ | ഫ | ब | ബ | भ | ഭ | म | മ |
| य | യ | र | ര | ल | ല | व | വ | श | ശ |
| ष | ഷ | स | സ | ह | ഹ | क्ष | ക്ഷ | | |
| त्र | ത്ര | ज्ञ | ജ്ഞ | | | | | | |

Scanned with CamScanner

## हिंदी की बारहखड़ी को अंग्रेजी में लिखना

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | का | कि | की | कु | कू | के | कै | को | कौ | कं | कः |
| k | ka | ki | kee | ku | koo | ke | kai | ko | kau | kan | kah |
| ख | खा | खि | खी | खु | खू | खे | खै | खो | खौ | खं | खः |
| kh | kha | khi | khee | khu | khoo | khe | khai | kho | khau | khan | khah |
| ग | गा | गि | गी | गु | गू | गे | गै | गो | गौ | गं | गः |
| g | ga | gi | gee | gu | goo | ge | gai | go | gau | gan | gah |

## सर्वनाम : നാമത്തിന് പകരം ഉപയോഗിക്കുന്ന വാക്കുകൾ ആണ് സർവനാമം

| | | | |
|---|---|---|---|
| यह | ഇവൻ, ഇവൾ, ഇത് | आप | അങ്ങ്, താങ്കൾ |
| वह | അവൻ, അവൾ, അത് | हम | ഞങ്ങൾ, നമ്മൾ |
| वे | അവർ അവ അദ്ദേഹം | मैं | ഞാൻ |
| ये | ഇവർ ഇവ ഇദ്ദേഹം | कोई | ആരോ, ഏതോ , ആരും, ഏതും |
| तू | നീ | कौन | ആര് ,ഏത് |
| तुम | നിങ്ങൾ | जो | യാതൊരുവൻ, യാതൊരുവൾ, |

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | യാതൊന്ന് |
| कौन-कौन | ആരെല്ലാം, ഏതെല്ലാം | तक | വരെ |
| अब | ഇപ്പോൾ | कब | എപ്പോൾ |
| तब | അപ്പോൾ | वहाँ | അവിടെ |
| यहाँ | ഇവിടെ | कहाँ | എവിടെ |

कारक ഒരു നാമത്തേയോ അല്ലെങ്കിൽ വാചകത്തിലെ മറ്റ പദങ്ങളോടോ ചേർന്ന് നിന്ന് വാചകത്തിലെ വാക്കുകളെ തമ്മിൽ ബന്ധിപ്പിക്കുന്ന പദങ്ങൾ ആണ് കാരക് ഹിന്ദിയിൽ 9 കാരക്കുകൾ ഉണ്ട്

ने ഇത് ഭൂത കാലത്തിൽ പ്രയോഗിക്കുന്നു

| | | | |
|---|---|---|---|
| को | ക്ക്,ന്,യെ,നെ | से | ൽ നിന്ന്, ആൽ , കൊണ്ട്, കാൾ, മുതൽ, ആയിട്ട്, ഓട് |
| का, के, की | ന്റെ, ഉടെ, ഉള്ള , ലെ | में | ൽ,ഉള്ളിൽ |
| पर | മേൽ, മുകളിൽ | केलिए | വേണ്ടി |

## कियाएँ ക്രിയ ഒരു പ്രവർത്തിയെ സൂചിപ്പിക്കുന്നു

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चलना | നടക്കുക | खेलना | കളിക്കുക | |

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| मारना | അടിക്കുക | तैरना | നീന്തുക | |
| सोना | ഉറങ്ങുക | पिना | കുടിക്കുക | |
| बोलना | സംസാരിക്കുക | जाना | പോവുക | |
| सुनना | കേൾക്കുക | दौडना | ഓടുക | |
| नहाना | കുളിക്കുക | आना | വരിക | |

## सर्वनाम + कारक

| | |
|---|---|
| वह + ने | उसने |
| वह + को | उसको |
| वह + से | उससे |
| वह + का | उसका |
| वह + के | उसके |
| वह + की | उसकी |
| वह + में | उसमें |
| वह + पर | उसपर |
| वह + केलिए | उसकेलिए |

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

| | |
|---|---|
| यह + ने | इसने |
| यह + को | इसको |
| यह + से | इससे |
| यह + का | इसका |
| यह + के | इसके |
| यह + की | इसकी |
| यह + में | इसमें |
| यह + पर | इसपर |
| यह + केलिए | इसकेलिए |

# वीरबहूटी

सूचनाः बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

उन्हें बीरबहूटियों से मिलना होता था । सो वे स्कूल केलिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे । कस्बे से सटे इन खेतों में बीरवहूटियां खोजा करते थे । सुर्ख , मुलायम , गदबदी बीरबहूटियाँ , धरती पर चलती - फिरती खून की प्यारी - प्यारी बूंदें ।

1 . इनमें से कौन - सा विशेषण बीरबहूटी का नहीं है ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

[ मुलायम , गदबदी , बैंगनी , सुर्ख ]

2 . वीरबहूटी से मिलने उत्सुकता से निकले बेला और साहिल के बीच क्या - क्या बातें हुई होगी ?

वार्तालाप को आगे बढाइए ।

बेला : देखो साहिल , ये बीरबहूटियाँ कितनी प्यारी लग रही हैं !

साहिल : .....

सूचनाः चीरबहूटी कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

" तुम्हारी आँखों में आंसू क्यों आ रहे हैं बेला ? " " मुझे क्या पता ? " बेला ने उबडबाई आँखों से हंसते हुए कहा । साहिल की आखें वीरवहूटी की तरह लाल होने । लगी थी , और बारिश की बूंदों सा पानी भर गया था ।

3. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

( क ) साहिल और बेला खुश नहीं थे ।

( ख ) साहिल और बेला दुखी नहीं थे ।

( ग ) साहिल और बेला रो रहे थे ।

( घ ) साहिल और बेला खुश थे ।

4. बेला से बिछुड़ने पर दुखी साहिल की डायरी लिखें ।?

. सूचनाः वीरबहूटी कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

" एक पैन स्याहीभर दो । " साहिल से पहले ही बेला ने दुकानवाले से कहा । " बेटा स्याही की बोतल अभी - अभी खाली हो गई है । अब तो कल ही मिल पाएगी । लेकिन इसने तो पैन में जो स्याही बची थी उसे भी जमीन पर छिड़क दिया । " बेला बोली । " बादल को देखकर पड़े को नहीं दुलाना चाहिए । " दुकनवाले भैया ने कहा ।

5. इसने में निहित सर्वनाम कौन - सा है ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

( वह , यह , वे , ये )

6. " बादल को देखकर घड़े को नहीं दुलाना चाहिए । " इसका मतलब क्या है ?

7. प्रस्तुत अंश के आधार पर पटकथा का एक दृश्य लिखें ।

सूचनाः पीरबहटी कहानी का यह अंश पढ़े और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

साहिल बेला का रिपोर्ट कार्ड देख रहा था और बेला साहिल का । आज आखिरी बारी वे एक दूसरे की कोई चीज को छूकर देख रहे थे । " तुम्हारी आँखों से आंसू स्यों आ रहे हैं बेला ? " " मुझे क्या पता । " बेला ने डबडबाई आंखों से हंसते हुए कहा । साहिल की आखें वीरबहूटी की तरह लाल होने लगी थी , और बारिश की बूंदों सा पानी भर गया था ।

8. सही प्रस्ताब चुनकर लिखें । **[ 1 ]**

( क ) साहिल दुखी था ।

( स ) साहिल गुस्से में था ।

( ग ) साहिल को आवे खराब थीं ।

( च ) साहिल दृश था ।

9. इस प्रसंग के पात्र कौन - कौन है ?

10. प्रस्तुत अंश के आधार पर पटकथा का एक दृश्य लिखें ।

सूचना : बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

" बेला देखो इस बीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिवन जैसा लाल है । " साहिल ने कहा । " तुमने कुछ सुना वेला ? ' " हाँ सुना । पहली घंटी लग गई है । " " लेकिन मुझे पैन में स्याही भी भरवानी है , दुकान से । "

11 . ' बस्ता ' शब्द के बदले थैली ' शब्द का प्रयोग करके वाक्य बदलकर लिखें । साहिल का बस्ता पीठ पर लदा हुआ था ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

12 . प्रस्तुत प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य लिखें । [ 4 ]

सूचना : चीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया । दोनों छठी में आ गए । यह स्कूल पाँचवीं तक ही था । " साहिल अब तुम कहाँ पढोगे ? " बेला ने पूछा । " और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला ? " साहिल ने पूछा ।

13 . कहानी के अंश से एक मुख्य घटना पहचानकर लिखें ।

14. कहानी के इस अंश के आधार पर पटकथा का एक दृश्य लिखें ।

वीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढ़कर अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

" बेटा , स्याही की बोतल अभी - अभी खाली हो गई है । अब तो कल ही मिल पाएगी । " लेकिन इसने तो पैन में जो स्याही बची थी , उसे भी ज़मीन पर छिड़क दिया । " बेला बोली । " बादल को देखकर पड़े को नहीं ढुलाना चाहिए । " दुकानवाले भैया ने कहा और पूछा " कौन - सी में पढ़ते हो ?

15. सही उत्तर चुनकर लिखें " अब तो कल ही मिल पाएगी । " दुकानदार ने ऐसा क्यों कहा होगा

- दुकान में स्याही की बोतल टूट गयी है ।
- दुकान में स्याही नहीं है ।
- बच्चों के पास स्याही केलिए पैसा नहीं है ।
- दुकान की स्याही खराब हो गई है ।

16 . बोतल अभी - अभी खाली हो गई है । '' बोतल के बदले ' वर्तन ' का प्रयोग करके वाक्य बदलकर लिखें ।

17. " बादल को देखकर घड़े को नहीं दुलाना चाहिए । " दुकानदार के इस कथन से आप क्या समझते हैं

सूचना : बीरबहूटी कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुनद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

पैन में कुछ स्याही बची थी । उसे साहिल ने जमीन पर छिड़क दिया । नई स्याही भरवाने केलिए दोनों दुकान पर पहुंचे । " एक पैन स्याही भर दो । " साहिल से पहले ही बेला ने दुकानवाले से कहा

18. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

. साहिल ने जमीन पर पानी छिड़क दिया

. साहिल ने जमीन पर स्याही छिड़क दी ।

. बेला ने जमीन पर पानी छिड़क दिया ।

. बेला ने जमीन पर स्याही छिड़क दी ।

19. दोनों दुकान पर पहुंचे । ' दोनों ' शब्द के बदले ' बेला ' शब्द का प्रयोग करके बास्य बदलकर लिखें ।

20. कहानी के इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें ।

| दृश्य / विवरण | संवाद |
|---|---|
| शोट - एक<br><br>एक गाँव । सबेरे नौ बजे । बरसाती दिन । पानी बहने की आवाज़ । आकाश काले बादलों से भरा है । पेड़ों के तने और मूंगफलियों के खेतों में पीले फूल खिले हैं । बाजरे के पत्तों में पानी की बूंदें अटक रही हैं ।<br>। शोट - दो<br>पुस्तक की थैली पीठ पर लादे एक लड़का और लड़की स्कूल साहिल : जाते हैं । आयु - लगभग ग्यारह साल , वेष - वर्दी । लड़की | साहिल :बैला , जल्दी चलो । अब नौ बजे है ।<br>साढ़े नौ बजे को घंटी बजेगी । इ सके पहले हमें बीरबहूटियों को देखना है ।<br>याद रखो , आज पहला पिरीयड़ सुरेंदर मास्टर |

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

| | |
|---|---|
| ने अपना बाल लाल रिब्बन से बाँधा है । नंगे पाँव हैं । दोनों बातें करते तेज़ चलते हैं ।<br>शोट - तीन<br>बच्चे कस्बे से सटे खेतों में बिलकुल सटकर बीरबहूटियों को _ खोजते हैं । वे बीरबहूटियों को देखते हैं । सुर्ख , मुलायम - बीरबहूटियाँ । बच्चों के चेहरे पर खुशी और आश्चर्य का भाव ।<br><br>घंटी बजने की आवाज़ ।<br><br>बच्चे दुकान की ओर जाते हैं । | का हैं ।<br>बेला : हाँ . . हाँ . . साहिल , मुझे मालूम है<br>साहिल : बेला , बीरबहूटियाँ ज़रूर इधर होंगी ।<br>बेला :हाँ . . . हाँ देखें ।<br>साहिल :बेला देखो . . . . . इधर हैं ।<br>बेला : कहाँ ? हाँ . . . हाँ . . . . देखा । वाह !<br>साहिल : बेला , देखो इसका रंग तुम्हारे रिब्बन जैसा लाल है ।<br>बेला : बिलकुल ।<br>साहिल :तुमने कुछ सुना बेला ?<br>बेला : हा , सुना , पहली अंटी लाग गाई है ।<br>साहिल : लेकिन मुझे पैन में स्याही भरवानी है , दुकान से<br>बेला : तो चलो । |

**( बादल बहुत . . . पैन में स्याही भरते थे । ) ( Page 8 - 9 )**

21. यहाँ के पात्र कौन - कौन हैं ?
(साहिल और बेला)

22. यहाँ किस मौसम का चित्रण हुआ है ?
(बरसात के मौसम का चित्रण )

23. बरसात के मौसम का पता यहाँ कैसे मिलता है ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

( जंगलों और खेतों के ऊपर छाये हुए मेघ, गीली हवाएँ । बाजरे के पातों में अटकी हुई पानी की

बूंदें ।)

24. बेला और साहिल स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकलते थे । क्यों ?

(बीरबहूटियों से मिलने केलिए )

25. बीरबहूटियों की विशेषताएँ क्या - क्या हैं ?

(सुर्ख , मुलायम , गद्दी , चलती - फिरती खून की प्यारी - प्यारी बूंदें जैसी)

26. बेला और साहिल बीरबहूटियों को कैसे खोजते थे ?

(एक दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर , बिलकुल सटकर , बारिश की गंध भरी ज़मीन पर बैठकर वे बीरबहूटियों को खोजते थे ।)

27. पैन में स्याही भरवाने केलिए कितने पैसे देते थे ?

(पाँच पैसे । पैन में नीली स्याही भरवाने केलिए दुकान की ओर चलते हैं ।)

**( पैन में स्याही . . . . . मिला पाई ॥ ) ( Page 9 - 10 )**

28. बेला और साहिल क्यों दुकान पहुँचे ?

29. पैन में स्याही भरवाने केलिए दुकान पहुँचकर साहिल ने क्या किया ?

(पैन में बची हुई स्याही ज़मीन पर छिड़क दी ।)

30. " बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए ॥ " दुकानदार ने ऐसा क्यों कहा ?

(साहिल ने स्याही भरवाने से पहले , पैन में बची हुई कुछ स्याही को ज़मीन पर छिड़क दिया । लेकिन दुकान में स्याही खतम हो गयी थी ॥ तो दुकानदार ने ऐसा कहा । आकाश में दिखाई

देनेवाले सभी बादल बरसते नहीं । पानी बरसने के पहले घड़े का पानी नहीं ढुलाना चाहिए ।

अंदाज़ा लेकर काम करना ठीक नहीं है । )

31. साहिल और बेला की दोस्ती पर टिप्पणी लिखें

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

32. हर काम एकसाथ करना बच्चे उनसे काँपते थे । किनसे ?

( मारसाब सरेंदर जी से)

33. सुरेंदर माटसाब कक्षा में कैसे व्यवहार करते थे ?

( वे पिरीयड़ में काँपी जाँचते थे । ज़रा सी गलती पर बच्चों को इधर उधर फेंक देते थे या झापड़ मारते थे । बच्चे उनकी सज़ा से डरते थे ।)

34. माटसाब के व्यवहार से क्या आप सहमत हैं ? क्यों ?

सहमत नहीं । छोटी सी गलती पर बच्चों को इस प्रकार की सज़ा देना ठीक नहीं । यह बच्चों के अधिकार के खिलाफ़ है ।

35. बेला का मन खराब क्यों हो गया ?

एक दिन सुरेंदर माटसाब ने गलती से बेला के बालों में पंजा फँसाया । बेला की कोई गलती नहीं थी । वह डर से काँप रही थी । साहिल के सामने सब हो रहा था । इसलिए बेला खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी

36. बेला साहिल से नज़र नहीं मिला पाई । क्यों ?

बेला खुद को साहिल के सामने अच्छी दिखाना चाहती थी । लेकिन साहिल के सामने माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया । वह स्वयं को शर्मिंदा महमूस करने लगी थी ।

दीपावली की छुट्टियो . . . . . चोट का निशान था । **( Page 10 - 11 )**

37. बेला के सिर पर सफेद पट्टी क्यों बाँधी थी ?

( बेला छत से गिर कर घायल हो गई थी ।)

38.. साहिल को सरकारी अस्पताल में पट्टी बंधवाने क्यों ले जाया गया ?

39. सरकारी अस्पताल में बेला और साहिल के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें ?

40. आज आखिरी बार वे एक दूसरे की कोई चीज़ को छूकर देख रहे थे । ऐसा क्यों कहा गया है ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

पाँचवीं का रिज़ल्ट आ गया । दोनों अलग - अलग जगहों में पढ़ने जा रहे हैं । बेला राजकीय कन्या पाठशाला में और साहिल अजमेर के हॉस्टल में । बाद में उन्हें एकसाथ पढ़ने का अवसर

नहीं मिलेगा

41. बारिश से पहले की बारिश ' - यहाँ क्या है ?

बेला और साहिल के दुःख भरे आँसू बरसात के समान बरस रहे हैं ।

42. उचित परसर्ग का प्रयोग कर के रिक्त स्थान भरिए

साहिल . . . . . पिंडली में लग गई । ( का , के , की )

बेला . . . . . मन खराब हो गया । ( का , के , की )

एक . . . . . सिर पर पट्टी बंधी थी । ( के , का , की )

यह बारिशों से पहले . . . . बारिश का एक दिन था । ( का , की , के )

दीपावली . . . . . छुट्टियों के बाद वे आये । ( की , के , का )

43. साहिल की डायरी तैयार करें ।

44. हॉस्टल जाकर साहिल अपनी पुरानी बातों की याद करते हुए बेला के नाम पत्र लिखता है ।

45. संबध पहचानें और सही मिलान करें ।

| | |
|---|---|
| पैन में कुछ स्याही बची थी | वह तलवार पुरानी थी |
| जब वह उसके पास बैठा | उसे साहिल ने ज़मीन पर छिड़क दिया । |
| चमक उठी सन् सत्तावन में | उससे नज़र नहीं मिला पाई । |
| मैं चिढ़ाऊँ अब तुम्हें | तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे |
| मेरे पापा कह रहे थे | वहाँ एक हॉस्टल है |
| मुझे अजमेर भेज देंगे | रोनी सूरत साहिल , रोनी सूरत साहिल । |

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

46. साहिल और बेला छठी कक्षा में अलग -अलग स्कुल में जाना पडेगा। इसके बारे में सहिल

अपनी माँ से बातें करता है

| | | |
|---|---|---|
| माँ | : | बेटा , तू क्यों चिंता में रहता है ? |
| साहिल | : | माँ अब मैं छठी कक्षा में आता है। |
| माँ | : | इससे क्या है? |
| साहिल | : | अब मैं कहाँ पढ़ूँगा? |
| माँ | : | पिताजी ने कहा है कि तुम को अजमेर भेजता है |
| साहिल | : | वहाँ मैं कहाँ रहुँगा ? |
| माँ | : | वहाँ एक होस्टल में |
| साहिल | : | वहाँ मैं अकेला रहुगा न ? |
| माँ | : | नहीं , वहाँ कई दोसतें मिलेंगे। |
| साहिल | : | वहाँ बेला नहीं होगी ना ? |
| माँ | : | बेला कहाँ पढेगी? |
| साहिल | : | वह सरकार कन्या पाठशाला में पढेगी। |
| माँ | : | तुमचिंता छोडो , वहाँ बेला की तरह सच्चे मित्र को मिलेंगे। |
| साहिल | : | ठीक है माँ। |

47. चरित्र - चित्रण - " सुरेंदर माटसाब "

सुरेंदर माटसाब बैला और साहिल के स्कूल के गणित का अध्यापक है । सब बच्चे उनका

नाम सुनते ही और दूर से देखने पर काँपना शुरू करते थे । छात्र घंटी बजने के दो

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

मिनट पहले ही अपने स्थान पर आ बैठते थे । वह बीच - बीच में गणित का काँपी जाँचता

था । ज़रा - सी गलती पर भी झापड़ मारना , बाल में पंजा फँसाना , काँपी फेंकना आदि उनकी बुरी आदतें थीं । भयभीत होकर छात्र क्लास में साँस पकड़कर बैठते थे । छात्रों को अपमान करने में सुरेंदर माटसाव को तनिक भी हिचक नहीं थी बच्चों की गलतियों को माफ करना भी उनकी बस की बात नहीं थी । बच्चे उनसे प्यार बिलकुल नहीं करते थे । . . . .

सूचनाः ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढ़ें और 1 से 3 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

" तुम्हारी आँख में आँसू क्यों आ रहे हैं बेला ? " । " मुझे क्या पता " बेला ने डबडबाई आँखों से कहा

48. परीक्षा पास होने पर भी बेला और साहिल की आँखों में आँसू क्यों आए थे ?

49. ' तुम्हारी ' में प्रयुक्त सर्वनाम चुनकर लिखें ।

( मैं , हम , तुम )

50. . इस प्रसंग पर साहिल के एक दिन की डायरी लिखें ।?

51. छठी कक्षा में साहिल अजमेर में बेला सरकार कन्य स्कूल में पढते हैं। एक दिन स्कूल सेघर आति बेला ने बीरबहुटियों को देखा। बेला के दिल में साहिल की याद आयी। वह अपने मित्र साहिल के नाम पर एक पत्र लिखती है

जयपुर

जुन / 2020

प्रिय मित्र साहिल,

नमस्कार

यह पत्र मिलते समय तुमको बड़ी खुशी होगी। आज मैंने खेतों में कुछ बिरबहुटियों को देखा।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

मेरे मन में तुम्हारी याद आयो अब मेरे स्कूल में मुझको कुछ सहेलियाँ मिली । हम बड़ी खुशी से पढ़ती हैं , खेलती हैं, और बातें करती हैं। हमारी टीचर बहुत अच्छी हैं। गणित अब मुझे आसान है । हमारा पुराना स्कूल देखते समय दोस्तों की याद आती हैं।

तुम कैसे हो ? खुशी है ना? पढ़ाई कैसी है? अच्छे मित्रों को मिलेन? होस्टल का जीवन कैसा है

?

सभी बातों को जवाब लिखना। माँजीसेमेरा प्यार कहना। अगली छुटिटयों में मिलें

तुम्हारा प्रिय मित्र

बेला-पी

अयोध्या भवन

सेवा में

साहिल पी - के

पी. के भवन अजमेर

52. बेला से बिछुड़ने पर दुखी साहिल की डायरी लिख?

तारीख

आज का दिन . . . . . बेला के साथ स्कूल का आखिरी दिन . . . रिजल्ट जानने आए थे हम

दोनों । दोनों पास गए . . . छठी में आ गए । खुशी के साथ दुख . भी । अगले वर्ष हम दोनों को अलग अलग स्कूल में भर्ती होना पडेगा । मेरा रिपोट कार्ड वापस देते वक्त उसकी आँखों में आँसू आ रहे थे । डबडबाई आँखों से हंसते हुए वह धीरे धीरे आगे चली ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

अचानक टूटे स्टूल को एक कील साहिल की पिंडली में लग गई । एक इंच गहरा गड्ढा हो गया । उसे सरकारी अस्पताल में पट्टी बंधवाने | के लिए ले जाया गया । उसने देखा कि दो लोगों को छोड़कर आगे बेला खड़ी है ।

53 . बेला क्यों अस्पताल आई है ?

54 . साहिल को क्यों अस्पताल में ले जाया गया ?

55 . इस प्रसंग में दोनों के बीच का संभावित वार्तालाप लिखें ।

उत्तरः

53 . बेला छत से गिर गई ।

54 . टे स्टूल की एक कील साहिल की पिंडली में लग गई । एक इंच गहरा गड्ढा हो गया

उसे पट्टी बंधवाने के लिए ले जाया गया ।

55 साहिल : हाय बेला ।

बेला : हाय साहिल , क्यों यहाँ ?

साहिल : यह देखो ।

बेला : अरे यह क्या हुआ तेरी पिंडली में ?

साहिल : टूटे स्टूल की एक कील मेरी पिड़ली में लग गई ।

बेला : कैसे ? -

साहिल : मैं नीम की डाली पकड़कर झूम रहा था ।

बेला : तो स्टूल की कील कैसे लग गई ?

साहिल : स्टूल पर चढ़कर झूलता था ।

बेला : साहिल , अगला नंबर मेरा है । ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

साहिल : तो ठीक । स्कूल में मिले । ।

बेला : ठीक ।

एक दिन सरेंदर जी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फंसाया । पर शायद जिस गलती को पाकर वे उसके बाल पकड़कर फेंकनेवाले थे वह गलती थी ही नहीं । उन्होंने बेला को छोड़ दिया ।

56 . कौन - सा प्रस्ताव सुरेंदर जी माटसाब के बारे में | सही नहीं है ?

( क ) बच्चे सुरेंदर जी से काँपते थे ।

( ख ) ज़रा - सी गलती पर झापड़ मारते थे ।

(ग ) बच्चों की कॉपी इधर - उधर फेंक देते थे ।

( घ ) बच्चों से प्यार से बर्ताव करते थे ।

57 . वाक्य की पूर्ति के लिए कौन - सा रूप सही है ?

बेला के पाँव अभी भी . . . . . .

( क ) काँप रही हैं ( ख ) काँप रहे हैं

( ग ) काँप रहा है ( घ ) काँप रही है

58 . " उसके ' में निहित सर्वनाम कौन - सा है ?

( क ) यह ( ख ) वह ( ग ) ये ( घ ) वे

59. घर जाते वक्त बेला दुखी थी । रात में उसने डायरा लिखी । वह डायरी कल्पना करके लिखें ।

उत्तर :

1 . बच्चों से प्यार से बर्ताव करते थे ।

2 . काँप रहे हैं

3 . वह

4

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

तारीख

यह दिन मैं कैसे भूल सकती । मेरी कॉपी में कोई गलती न थी । फिर भी उन्होंने मेरी बालों में पंजा फंसाया । अपनी गलती मालूम होने पर उन्होंने मुझे छोड़ दो । वेदना से अधिक लज्जा महसूस हुई ॥ कक्षा में सब साथियों के सामने अनमानित हुई । लगी अभी गिर जाएगी । साहिल ने मेरे बारे | में क्या सोचा होगा ?

स्थान

तारीख :

60. प्रिय विशाल ,

सप्रेम नमस्कार । क्या हाल है ? आशा है तुम स्वस्थ एवं सानंद हो । पिछले काफी समय से तुम्हारा कोई समाचार नहीं । फोन भी नहीं करता । यहाँ हम सब खुश से हैं ॥ यार , हमारे यहाँ के खेत की बरसाती कीडे के बारे में मैं ने तुझे बताया है न ? पिछले हफ्ते यहाँ दा तीन दिन भारी वर्षा मिली । स्कूल के रास्ते

से सडे खेत में मैं बीरबहटियों को खोजने निकला । बेला भी साथ था । मिट्टी की गंध भरी खेत में हम ने बीरबहटियों की कतारें देखीं । सुर्ख , मुलायम , गदबदी बीरबहूटियाँ । धरती पर चलती - फिरती खून की प्यारी - प्यारी बूंदें जैसी लगी । उन्हें देखते - देखते स्कूल पहुंचने में देरी भी हुई । हमारे गर्मी की छुट्टियों में इन्हें देखने न मिलतीं । नहीं तो तुम्हें दिखाता । जवाबी पत्र लिखने न भूलना ॥

तुम्हारा दोस्त

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

( हस्ताक्षर )

साहिल ।

सेवा में पताः

# हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

. सूचनाः हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

मैंने हाथ बढ़ाया मेरा हाथ पकड़कर वह खड़ा हुआ मुझवह नहीं जानता था मेरे हाथ बढ़ाने को जानता था हम दोनों साथ चले

1 . हम दोनों साथ चले । ' कौन - कौन ?

( क ) कवि और नरेश सक्सेना । ( ख ) कवि और हताश व्यक्ति ।

( ग ) नरेश सक्सेना और हताश व्यक्ति । ( घ ) टिप्पणीकार और विनोदकुमार शुक्ल ।

2 . व्यक्ति को न जानने पर भी कवि ने उसकी मदद के लिए हाथ बढ़ाया । इससे हमें कौन - सा संदेश मिलता है ?

3 . कविता की प्रासंगिकता पर टिप्पणी लिखें ।

सूचना : हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

व्यक्ति को मैं नहीं जानता था , हताशा को जानता था । ' कहते ही वे जानने की हमारी उस जानी - पहचानी रूढ़ि को तोड़ देते हैं जो व्यक्ति के नाम , पते , उमर , ओहदे या जाति से जानने को जोड़ती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा , निराशा या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते ।

4. जानने की जानी - पहचानी रूदि क्या है ?

5 . लेखक के मत में किसी व्यक्ति को जानना माने क्या है ?

सूचना : हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था टिप्पणी का यह अंप पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की जरूरत है ।

यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह ' जानने की याद दिलाती

6. इसे हमारी मदद की जरूरत है - ' इसे में निहित सर्वनाम कौन - सा है ?

[ कोई , यह , वह , वे ]

7. मनुष्य को मनुष्य की तरह ' जानने ' का मतलब क्या है ? टिप्पणी लिखें ।

सूचना : हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों

के उत्तर लिखें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था व्यक्ति को मैं नहीं जानता था हताशा को जानता था इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया मैं ने हाथ बढ़ाया

8. . लही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

( क ) कवि और व्यक्ति एक दूसरे को जानते थे । ( ख ) व्यक्ति कवि को जानते थे ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

( ग ) कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था । ( घ ) व्यक्ति कवि की हताशा को जानता था

9 . किसी की हताशा को जानना ' इससे क्या मतलब है ?

10. कवि और कविता का संक्षिप्त परिचय देते हुए इस कविता का आशय लिखें ।

सूचना : हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कवितांश पढ़े और नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था व्यक्ति को मैं नहीं जानता था हताशा को जानता था ।

11. कविता के आधार पर सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

( क ) व्यक्ति को जानने का मतलब है उसके नाम से जानना ।

( ख ) व्यक्ति को जानने का मतलब है उसकी हताशा को जानना

( ग ) व्यक्ति को जानने का मतलब है उसकी आर्थिक स्थिति को जानना ।

( घ ) व्यक्ति को जानने का मतलब है उसके ओहदे से जानना ।

12 . व्यक्ति को जानने के संबंध में कवि के मत पर टिप्पणी लिखें ।

सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी पर्दे और नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखें

सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में हैं और इसे हमारी मदद की जरूरत है ।

13 . इसे हमारी मदद की जरूरत है । ' - सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति को हम क्या - क्या सहायताएं कर सति हैं ? टिप्पणी लिखें । ( टिप्पणी 60 शब्दों की हो )

14 . सड़क पर घायल पड़े लोगों की जान बचाना मनुष्यता है । ' यह संदेश देते हुए पोस्टर तैयार करें

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

# टूटा पहिया '

सूचनाः टूटा पहिया ' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ लेकिन मुझे फेंको मत !
क्या जाने ; कब इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए

1. अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों कहा गया है ?
2. इस कवितांश का आशय लिखें ।

सूचना : टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

तब मैं रथ का टूटा हुआ पहिया उसके हाथों में न ब्रहमास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ

3. टूटा पहिया किसका प्रतीक है ?
4. इन पंक्तियों की प्रसंगिकता पर टिप्पणी लिखें ।

सूचना : टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढ़े और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी बड़े - बड़े महारथी अकेली निहत्थी आवाज को अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें तब मैं रथ का टूटा हुआ पहिया उसके हाथों में ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ !

5 . कवितांश में इस अर्थ को सूचित करनेवाला मुहावरा कौन - सा है ?

सामना करना

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

6 . कवि और कविता का परिचय देते हुए पंक्तियों के आशय पर टिप्पणी लिखें ।

7 . वहाँ ' लोहा ले सकता हूँ ' प्रयोग का मतलब क्या है ?

[ सामना करना , सामने जाना , पीछे जाना , पिछड़ जाना ]

8. कविता के आधार पर किसका पक्ष असत्य है ?

( क ) अकेली आवाज का ( ख ) निहत्थी आवाज का

( ग ) बड़े - बड़े महारथियों का ( घ ) ब्रह्मास्त्रों का

9. अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों कहा गया है ?

अक्षौहिणीः

| |
|---|
| മഹാഭാരതയുദ്ധത്തിൽ കൗരവപക്ഷത്തെ സേനാ വിഭാഗം , ഒരു അക്ഷൗഹിണിയിൽ 21870 രഥങ്ങൾ , അത്രയും ആന , 65610 കുതിരകൾ , 109350 കാലാൾപട എന്നിവ ഉൾപ്പെ കുന്നു . |

| प्रतीक | प्रतिनिधित्व करता है। |
|---|---|
| टूटा पहिया | टूटा हुआ मानवमूल्य |
| अभिमन्यु | साधारण जनता |
| चक्रव्यूह | जीवन की विषमताएँ |
| अक्षौहिणी सेना | शोषण की व्यवस्था |
| महारथी | शोषण |

# टिप्पणी

टूटा पहिया ' आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख कवि श्री धर्मवीर भारती की कविता है । इसमें

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

कवि ने अर्जुन पुत्र अभिमन्यु की कथा के माध्यम से वर्तमान सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डाला है । कुरुक्षेत्र युद्ध के तेरहवाँ दिन महारथियों के रचे चक्रव्यूह में अभिमन्यु फँस गया था ॥ महारथियों ने उसे निरायुध कर दिया था । तब उसने टूटे रथ चक्र लेकर अकेले महारथियों का सामना किया था । लेकिन व्यूह से बाहर निकलने का उपाय न जानने से अभिमन्यु वहीं अधर्म से मारा गया । यहाँ कवि अपने को मानव - मूल्यों का प्रतीक टूटा पहिया मानता है । अभिमन्यु साधारण जनता का प्रतीक है । आज का समाज शोषकों का है । वे साधारण जनता का शोषण करते हैं ॥ हमारे समाज में अब मानव - मूल्यों का कोई स्थान नहीं है । वह टूटे पहिए के समान है । ऐसी परिस्थिति में कवि का विश्वास है कि टूटा पहिया अत्याचार और शोषण के चक्रव्यूह में फँसे साधारण जनता रूपी अभिमन्य की रक्षा कर सकें ॥ इसलिए टूटा . पहिया समझकर मेरी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए

ആധുനിക ഹിന്ദി സാഹിത്യത്തിലെ പ്രമുഖ കവി ശ്രീ ധർമ്മവീര ഭാരതിയുടെ കവിത ഇവിടെ കവി അർജ്ജുന പുത്രനായ അഭിമന്യുവിന്റെ കഥയെ അടിസ്ഥാനമാക്കി ല അഭിമന്യുവിന്റെ കഥയെ അടിസ്ഥാനമാക്കി ഇന്നത്തെ സാമൂഹിക സ്ഥിതിയെ ചിത്രീകരിച്ചിരിക്കുകയാണ് . കുരുക്ഷേത്ര യുദ്ധത്തിന്റെ പതിമൂന്നാം ദിവസം കൗരവസേനയിലെ മഹാരഥികൾ ചമച്ച് ത്തിൽ കുടുങ്ങിപ്പോയ അഭിമന്യുവിനെ ശത്രുക്കൾ നിരായുധരാക്കി . ആ സമയം അഭിമന്യു തേരിൽ പൊട്ടിയ ചക്രത്തെ പരിചയാക്കി മഹാരഥികളെ നേരിടുകയുണ്ടായി . ചക്രവ്യൂഹത്തിൽ നിന്നും പുറത്തു കടക്കാനുള്ള വിദ്യ വശമില്ലാത്ത അഭിമന്യു അവസാനം ശത്രുപക്ഷത്തിന്റെ അധർമ്മത്തിനി രയായി കൊല്ലപ്പെടുകയാണുണ്ടായത് . ഇവിടെ കവി മാനുഷിക മൂല്യങ്ങളുടെ പ്രതീകമായ പൊട്ടിയ ചക്രക്കഷണമാണ് താൻ എന്ന് സ്വയം അഭിപ്രായപ്പെടുന്നു . അഭിമന്യു സാധാരണക്കാരനെ പ്രതിനിധാനം ചെയ്യുന്നു .

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

സാധാരണക്കാരനെ ചൂഷണം ചെയ്യുന്നവരുടെ സമൂഹമാണ് നമുക്കു ചുറ്റും . ഇന്ന് നമുക്കിടയിൽ മാനുഷിക മൂല്യത്തിന് യാതൊരു വിലയുമില്ല . അത് പൊട്ടിയ ചക്രക്കഷണം പോലെയാണ് . ഇത്തരം ചുറ്റുപാടിൽ അനീതിയും ചൂഷണവുമാകുന്ന ചക്രവ്യൂഹത്തിൽപ്പെട്ടു പോകുന്ന സാധാരണക്കാരന്റെ രക്ഷയ്ക്ക് പൊട്ടിയ ചക്ര ക്കഷണം സഹായകമാകുമെന്ന് കവി ആശിക്കുന്നു